इंफैंटाइल स्पाज्म (WEST SYNDROME AND INFANTILE SPASMS): FAQs (Hindi)

1. **इंफैंटाइल स्पाज्म किसे कहते हैं?**

   इंफैंटाइल स्पाज्म एक प्रकार के मिरगी के दौरे हैं जो अक्सर दो साल से छोटे बच्चों में होते हैं। इसमें बच्चे के हाथ- पैर अकड़ जाते हैं और पूरे शरीर में झटके आते हैं। एक साथ कई झटके पड़ते हैं। ये झटके पूरे दिन में कभी भी हो सकते हैं पर अक्सर सुबह बच्चे के सोके उठते ही होते हैं।

2. **वेस्ट सिंड्रोम किसे कहते हैं?**

   वेस्ट सिंड्रोम एक प्रकार की मिरगी है जिसमे निम्नलिखित तीन लक्षण होते हैं:

   - इंफैंटाइल स्पाज्म
   - इ इ जी में हिप्सअरिधमिया
   - विलंबित दिमागी विकास

3. **इसे वेस्ट सिंड्रोम क्यों कहते हैं?**

   वेस्ट सिंड्रोम का पहला विवरण डॉ विलियम जेम्स वेस्ट ने 1841 में किया था। इस प्रकार के दौरे उन्होंने अपने पुत्र में देखे थे। उन्होंने इसे सलाम टिक्स का नाम दिया था।

4. **इंफैंटाइल स्पाज्म कैसे पहचाने जाते हैं?**

   इंफैंटाइल स्पाज्म में बच्चे को झटके आते हैं जिसमे उसके कंधे व बाज़ूएं आगे की ओर झुक जाते हैं। बच्चे की गरदन भी आगे की ओर गिर सकती है। ये झटके कुछ क्षण तक आते हैं और अक्सर एक के बाद एक काफी सारे झटके आते हैं जो कुछ मिनट चलते हैं।

5. **इंफैंटाइल स्पाज्म का कारण क्या है?**

   शिशु के बढ़ते हुए दिमाग को किसी भी तरह की क्षति इंफैंटाइल स्पाज्म का कारण हो सकती है। उदाहरण के लिए दिमाग के बनावटी नुक्स, संक्रमण, जन्म के समय देर से रोने के कारण ऑक्सीजन या शुगर की कमी। दस प्रतिशत बच्चों में कोई कारण नहीं पाया जाता।

6. **वेस्ट सिंड्रोम का परिणाम कैसा है?**

   वेस्ट सिंड्रोम का उपचार कठिन है। इसमें अक्सर बच्चे का विकास देरी से होता है तथा भविष्य में मिरगी की शिकायत हो सकती है। यदि उपचार जल्दी शुरू किया जाये तो परिणाम बेहतर होता है।

7. वेस्ट सिंड्रोम का निदान कैसे होता है?

वेस्ट सिंड्रोम की विशेषता है इ इ जी में हिप्सअरिधमिया । इसके अलावा दिमाग का एम् आर आई स्कैन (रंगीन एक्स रे) भी किया जाता है।

8. वेस्ट सिंड्रोम का उपचार क्या है?

वेस्ट सिंड्रोम के लिए अनेक दवाईयां उपलब्ध हैं। इनमें से सबसे कारगर ए सी टी एच, स्टेरॉयड व वाईगाबैट्रीन हैं। अन्य दवाईयां हैं वैलप्रोएट, ज़ोनीसामाईड, टोपिरामेट व क्लोनाज़ेपाम आदि। एक सप्ताह के लिए पाइरीडोक्सीन भी दी जाती है।

9. स्टेरॉयड के दुष्प्रभाव क्या हैं?

वेस्ट सिंड्रोम में स्टेरॉयड अधिक मात्रा में दिए जाते हैं। स्टेरॉयड से निम्नलिखित दुष्प्रभाव हो सकते हैं:

- चिचिड़ापन, अधिक रोना
- भूख बढ़ना
- वज़न बढ़ना
- ब्लड प्रेशर बढ़ना
- शुगर बढ़ना
- संक्रमण का खतरा

10. स्टेरॉयड के उपचार के दौरांत क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

टिकाकरण से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। यदि बच्चा दो सप्ताह से अधिक दिन स्टेरॉयड ले चुका है तो पोलियो, खसरा, चेचक व कुछ अन्य टीके एक मास तक नहीं लगवाने चाहिए। इन बच्चों में संक्रमण का अधिक खतरा रहता है इसलिए बुखार आने पर अस्पताल को सम्पर्क करना चाहिए।

11. अन्य दवाईयों के दुष्प्रभाव क्या है?

वाईगाबैट्रीन के लम्बे इस्तेमाल से द्रिष्टी पर प्रभाव पड़ सकता है। वैलप्रोएट से जिगर पर प्रभाव पड़ सकता है।

12. दवाईयों के अलावा भी कोई उपचार उपलब्ध है?

यदि दवाईयों से लाभ न हो तो सर्जरी अथवा कीटोजेनिक आहार से उपचार करने का प्रयास किया जा सकता है।

13. कीटोजेनिक आहार क्या है?

कीटोजेनिक आहार एक विशेष प्रकार का आहार है जिसमे फैट्स (तेल, घी आदि) की मात्रा बहुत अधिक होती है।

14. उपचार कितने समय चलता है?

स्टेरॉयड अक्सर दो सप्ताह तक दिए जाते हैं व इसके बाद इनकी मात्रा धीरे धीरे कम कर दी जाती है। वाईगाबैट्रीन 6 महीनों तक दी जाती है व अन्य दवाईयां कुछ वर्षों तक दी जाती हैं।